Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In May 2017

जीजेयू के छात्रों को 2.76 लाख का मिलेगा पैकेज

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायो एंड नैनो टेक्नॉलोजी विभाग के दो विद्यार्थियों का चयन जे मित्रा एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के एमएससी बायोटेक्नॉलॉजी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कंपनी में प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कंपनी के अधिकारियों ने विभाग के 16 विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा एवं तकनीकी साक्षात्कार लिए। जिसमें से चार विद्यार्थियों को फाइनल एचआर साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया। फाइनल एचआर साक्षात्कार में सफल होने पर कंपनी ने दो विद्यार्थियों का चयन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को 2.76 लाख रूपये प्रतिवर्ष पैकेज दिया जाएगा।

मलिक ने बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग की अध्यक्षा डॉ. नमिता सिंह, प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. संदीप कुमार के अतिरिक्त स्टॉफ सदस्यों राकेश यादव व मुकेश मोर का विद्यार्थियों को तैयार करने व प्रोत्साहित करने के लिए आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट कार्यक्रम में एमएससी बायोटेक्नॉलोजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थी देवांशु व अमरजीत चयनित हुए हैं। ये विद्यार्थी कंपनी में इसी वर्ष अगस्त माह में ज्वाइन करेंगे। छात्रों का चयन होने पर उनमें खुशी की लहर है।

दैनिक जागरण 5/5/17

दो विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट

हिसार। गुजवि के बायो एंड नेनो टैक्नॉलोजी विभाग के दो विद्यार्थियों का चयन जे. मित्रा एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से बायो एंड नेनो टैक्नॉलोजी विभाग के एमएससी बायोटैक्नॉलोजी के अंतिम वर्ष विद्यार्थियों के लिए कंपनी में प्लेसमैंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने विभाग के 16 विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा एवं तकनीकी साक्षात्कार लिया जिसमें से चार विद्यार्थियों को फाइनल एचआर साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया।

हरि भूमि 5/5/17

जीजेयू में दो घंटे में आए 50 आवेदन

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विद्यार्थी आवेदन करने के लिए वेबसाइट से इंतजार कर रहे हैं। यही कारण रहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रोस्पेक्टस जारी करने के दो घंटे के बाद ही करीब 50 विद्यार्थियों ने आवेदन कर दिया। देर शाम तक यह संख्या 100 के करीब हो जाने की उम्मीद जताई जा रही थी। जीजेयू में करीब 3 बजे दाखिले के लिए प्रोस्पेक्टस वेबसाइट पर डाला गया। जिसके बाद करीब 5 बजे तक ही करीब 50 विद्यार्थियों ने आवेदन कर दिया। यूसीआइसी के हेड मुकेश कुमार ने बताया कि देर शाम तक यह संख्या 100 के पार चला जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों का रुझान विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहा है। पिछले वर्ष आवेदन करने वाले विद्यार्थियों में भारी वृद्धि हुई थी। इस बार आवेदनकर्ताओं का आंकड़ा 10 हजार के पार जाएगा। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से हमने सिविल इंजीनियरिंग और डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग के कोर्स इस बार शुरू किए हैं। आपको बता दें कि 2015 में विश्वविद्यालय में करीब 8 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया था।

इसके बाद से लगातार बढ़ोतरी हो रही है। 2016 में 9 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया और 2017 में 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों के आवेदन की संभावना जताई जा रही है।

दैनिक जागरण- 6/5/17

उपलब्धि जीजेयू के सहायक प्रोफेसर समेत तीन प्रबुद्धजनों ने बढ़ाया जिले का मान

डॉ. संदीप कुमार को युवा विज्ञान रत्न

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. संदीप कुमार को हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड से नवाजा गया है। डॉ. संदीप विश्वविद्यालय के जैव और नैनो प्रौद्योगिकी विभाग में बतौर सहायक प्रोफेसर कार्यरत हैं। उन्हें प्रदेश के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने वर्ष 2015-16 के लिए यह अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल विज, आइएएस अशोक खेमका आदि भी मौजूद रहे। उनके अलावा हिसार जिले से संबंध रखने वाले दो ओर लोगों को भी ये अवार्ड मिले हैं। ये अवार्ड चंडीगढ़ में हरियाणा राजभवन में बुधवार को सुबह 11 बजे आयोजित एक कार्यक्रम में दिए गए।

चंडीगढ़ में जन्मे डॉ. संदीप कुमार पिछले 11 वर्षों से जीजेयू में सहायक प्रोफेसर हैं। उन्होंने बीएससी, एमएससी, एमटेक और पीएचडी की पढ़ाई पंजाब विवि चंडीगढ़ से की। इसके बाद सन 2006 में जीजेयू में नियुक्त हुए। 38 वर्षीय डॉ. कुमार साउथ कोरिया सहित कई विदेशी विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर हैं। उन्हें देश-विदेश की कई फंडिंग एजेंसियों से रिसर्च प्रोजेक्ट हासिल हैं। उनके 70 रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. संदीप ने कहा कि विद्यार्थियों को रिसर्च बेस्ड पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन देना ही उनका उद्देश्य है।

डॉ. संदीप कुमार।

11 को मिला सम्मान

कार्यक्रम में राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने कुल 11 वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया था, जिनमें से 2 लोगों को विज्ञान रत्न और 9 लोगों को युवा विज्ञान रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया। दो कैटेगरी में बांटे गए ये अवार्ड पिछले 5 वर्षों के लिए दिए गए। पहली कैटेगरी में 40 वर्ष से अधिक उम्र के वैज्ञानिकों को हरियाणा विज्ञान रत्न से और 40 वर्ष की उम्र से कम वाले वैज्ञानिकों को हरियाणा युवा विज्ञान रत्न देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर ने डॉ. संदीप को बधाई दी।

डॉ. बंसल को भी सम्मान

40 वर्ष से अधिक उम्र वाली कैटेगरी में जिन दो लोगों को हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड मिले हैं, उनमें से प्रो. कैसी बंसल एक हैं। प्रो. बंसल ने डीएन कॉलेज हिसार से बीएससी की डिग्री की। इसके बाद उन्होंने हकृवि से एमएससी की शिक्षा ग्रहण की। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा, नई दिल्ली से स्वर्ण पदक के साथ पीएचडी की और फिर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज (यूएसए) से पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। प्रो. बंसल नई दिल्ली स्थित पूसा के राष्ट्रीय पौध अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के निदेशक के पद भी कार्यरत रहे हैं।

जीजेयू के छात्र रहे अनुराग कुहाड़ भी सम्मानित

जीजेयू के एक पूर्व विद्यार्थी डॉ. अनुराग कुहाड़ को भी हरियाणा युवा रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें वर्ष 2016- 17 के लिए यह अवार्ड दिया गया है। डॉ. कुहाड़ वर्तमान में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में फार्माकोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक के साथ फार्मेसी में स्नातक की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद पंजाब विवि चंडीगढ़ से उन्होंने मास्टर्स ऑफ फार्मेसी और फार्मास्युटिकल में पीएचडी की पढ़ाई की।

ग्यारह वैज्ञानिक विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित

राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने नवाजा, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शोध कार्यों को सराहा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

वर्तमान समय में विज्ञान एवं तकनीक के बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं है। अगर हमें विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है तो विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र को चुनौती के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ना होगा। हरियाणा आज इन दोनों ही क्षेत्रों में

- हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड की राशि दो लाख से चार लाख रुपये करने का ऐलान
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर हर साल 28 फरवरी को वैज्ञानिकों को अवार्ड देने की घोषणा
- प्रोफेसर केसी बंसल व डाक्टर सतीश गुप्ता हरियाणा विज्ञान रत्न से सम्मानित हुए

प्रदेश अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। यह बात राज्यपाल प्रो. कप्तान सोलंकी ने की। प्रो. सोलंकी विज्ञान एवं तकनीक विभाग द्वारा बुधवार यहां हरियाणा राजभवन में आयोजित हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड तथा हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड समारोह में वैज्ञानकों को सम्मानित करने के बाद उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल विज के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड की राशि दो लाख से बढ़ाकर चार लाख रुपये करने तथा भविष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष 28 फरवरी को वैज्ञानिकों को अवार्ड देने का कार्यक्रम आयोजित करने की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम के दौरान राजभवन में राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो नई दिल्ली पूर्व निदेशक प्रो. के.सी बंसल को वर्ष 2012-13 के लिए और जैव कोशिका प्रजनन प्रयोगशाला राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान नई दिल्ली के पूर्व उपनिदेशक डॉ. सतीश कुमार गुप्ता को वर्ष 2013-14 के लिए हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनको अवार्ड के रूप में दो लाख, एक प्रशस्ति पत्र व शॉल भेंट की गई।

चंडीगढ़। प्रो.केसी बंसल को हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड देते राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी।

चंडीगढ़। सम्मानित वैज्ञानिकों के साथ राज्यपाल, मुख्यमंत्री मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री अनिल विज।

युवा वर्ग में मिला सम्मान

हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड कैटेगरी में वर्ष 2012-13 के लिए अभिनीत कौशिक और प्रदीप कुमार को,वर्ष 2013-14 के लिएं डॉ. दीपक शर्मा और प्रवीण कुमार को,वर्ष 2014-15 के लिए डॉक्टर सविता चौधरी व डॉ. अभिनव ग्रोवर को,वर्ष 2015-16 के लिए डॉ. संदीप कुमार व डॉ. विनोद कुमार को,वर्ष 2016-17 के लिए डॉ. अनुराग कुहाड़ को सम्मानित किया गया। सभी युवा वैज्ञानिकों को अवार्ड के रूप में एक लाख रुपये, एक प्रशस्ती पत्र व शॉल भेंट किया।

प्रोटोकोल तोड़ महामहिम को दी शिकायत

- पूर्व शिक्षक बालकृष्ण ने पानीपत के नन्हेड़ा में चकबंदी पर सवाल उठाया

चंडीगढ़। बुधवार को राजभवन में हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड्स समारोह का कार्यक्रम रखा गया था। इस कार्यक्रम में खुद महामहिम राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, हरियाणा प्रदेश के सीएम मनोहरलाल के अलावा वरिष्ठ मंत्री अनिल विज, आईएएस अशोक खेमका भी मंच पर विराजमान थे। कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति अचानक ही उठकर राज्यपाल के पास में पहुंच गया और राज्यपाल के हाथ में एक कागज थमा दिया..। अचानक हुए वाकये को लेकर आसपास टहल रहे सुरक्षाकर्मी भी सकते में आ गए, वे भी इसे सुरक्षा में चूक का मामला मानते हैं भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि राजभवन के अंदर काफी जांच पड़ताल के बाद में लोगों को जाने दिया जाता है। बुधवार को कार्यक्रम में जिन लोगों को सम्मानित किया जाना था, उनके अलावा उनके परिवारों से भी सदस्यों को अंदर जाने दिया गया था। जिस बुजुर्ग व्यक्ति ने महामहिम के करीब पहुंचकर कागज हाथ में थमा दिया, वो पानीपत के गांव नन्हेडा के रहने वाले हैं। उन्होंने हरिभूमि के पूछे जाने पर अपना नाम बालकृष्ण बताया साथ ही कहा कि उन्हें प्रोटोकाल आदि का कोई ज्ञान नहीं है, इसीलिए सीधे ही अपने गांव की समस्या के बारे में राज्यपाल को प्रार्थना पत्र सौंपा है। वैसे, बालकृष्ण ने बताया कि वे शिक्षक रहे हैं, लेकिन अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनका गांव यूपी की सीमा से सटा हुआ है, जो पानीपत जिले में आता है। उन्हें वहां पर चल रही चकबंदी के कामकाज को लेकर गंभीर आपत्ति है, पानीपत में जिला प्रशासन, राजस्व विभाग द्वारा उनकी सुनवाई नहीं की गई, तो उन्होंने राज्यपाल को पत्र सौंपने का फैसला लिया था। बालकृष्ण बताते हैं कि इस कार्यक्रम में उनके बेटे प्रवीण को भी पुरस्कार मिला है। इस लिए वह यहां पहुंचे थे, उन्होंने कहा प्रोटोकाल की उन्हें जानकारी नहीं थी।

युवा आगे आएं: खेमका

चंडीगढ़। राबर्ट वाड्रा और डीएलएफ डील कैंसिल कर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आए अशोक खेमका भी बुधवार को राजभवन में पहुंचे हुए थे, क्योंकि खेमका राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में प्रधान सचिव हैं, इसीलिए उन्हें मंच पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री मनोहरलाल, विभाग के मंत्री अनिल विज के साथ-साथ कुर्सी दी गई थी। राज्यपाल और सीएम के भाषण के बाद में विभाग की ओर से धन्यवाद करने के लिए खड़े हुए अशोक खेमका ने कम शब्दों में धमाकेदार बात कही। उन्होंने इस दौरान हरियाणा से भी छोटे देश इजराल का उल्लेख करते हुए कहा कि हर साल रक्षा और कृषि की तकनीक देखने डेलीगेशन जाते हैं, 130 करोड़ के देश के युवाओं को नई इबारत लिखने के लिए होना होगा तैयार। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए खड़े हुए खेमका बोले हमारा देश 130 करोड़ लोगों का देश है।

Haryana governor Kaptan Singh Solanki, chief minister Manohar Lal Khattar and science and technology minister Anil Vij with recipients of Haryana Vigyan Ratna Award and Haryana Yuva Vigyan Ratna Award for 2012-13 to 2016-17, at Haryana Raj Bhawan in Chandigarh on Wednesday.

HT PHOTO

Guv confers Vigyan Ratna on 11 scientists

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

STATE GOVERNMENT TO DOUBLE THE AWARD MONEY FOR VIGYAN RATNA AWARDEES ; CHIEF MINISTER KHATTAR SAYS FROM NOW ON, THE AWARD WILL BE GIVEN ON NATIONAL SCIENCE DAY

CHANDIGARH: The state government would confer Haryana Vigyan Ratna and Haryana Yuva Vigyan Ratna awards on eminent scientists of the state on the occasion of National Science Day on February 8 every year, and also double the award money from ₹2 lakh to ₹4 lakh, chief minister Manohar Lal Khattar said on Wednesday.

He was speaking at a function in which governor Kaptan Singh Solanki conferred Vigyan Ratna awards upon 11 eminent scientists of the state at Haryana Raj Bhavan here.

Solanki conferred Haryana Vigyan Ratna Award for 2012-13 on K C Bansal, former director, National Bureau of Plant Genetic Resources (ICAR), Pusa, New Delhi, for his contributions in the field of plant biotechnology. Genes discovered by him are used by national laboratories of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) in developing drought/stress tolerant transgenic rice, wheat, chickpea, mustard, groundnut, tomato and tea.

His pioneering work as director of the ICAR's premier institute National Bureau of Plant Genetic Resources (NBPGR), Pusa on evaluation of the entire wheat germplasm also got accolades from international wheat community and found an entry in the Limca Book of Records.

Similarly, Satish Kumar Gupta, emeritus scientist, J C Bose fellow and former deputy director, reproductive cell biology laboratory, National Institute of Immunology, New Delhi, was also honoured with Haryana Vigyan Ratna Award for 2013-14 for producing the first pregnancy detection kit sold for public use in the country, among other achievements. The scientists were presented with cash prize of 2 two lakh, citation, trophy and shawl.

Solanki also conferred Haryana Yuva Vigyan Ratna Award on nine young scientists aged below 40 years and presented them with cash prize of ₹1 lakh, citation, trophy and shawl, each.

They were Abhineet Kaushik, deputy general manager in BrahMos Aerospace, New Delhi; Pradeep Kumar, scientist-E, research centre Imarat (RCI), Defence Research and Development Organisation (DRDO), Hyderabad; Deepak Sharma, assistant prof, department of biotechnology, IIT Roorkee, Uttarakhand; Parveen Kumar, Scientist-E, (DRDO), Delhi; Savita Chaudhary, assistant professor, department of chemistry, Panjab University, Chandigarh; Abhinav Grover, assistant prof, school of biotechnology, Jawaharlal Nehru University, New Delhi; Sandeep Kumar, assistant prof, department of bio and nano technology, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar; Vinod Kumar, assistant prof, department of chemistry, Maharishi Markendeshwar University, Mullana, Ambala; and Anurag Kuhad, assistant prof of pharmacology, University Institute of Pharmaceutical Sciences, Panjab University, Chandigarh.

You can read more about the winners at http://read.ht/BY4L

Hindustan times- 11/5/17

आधुनिक तकनीक विकसित करने में भारत पीछे : पुंडीर

सैमीनार को सम्बोधित करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, विभिन्न विभागों की प्रयोगशालाओं का दौरा करते स्कूली छात्र।

हिसार, 11 मई (का.प्र.):

गुजवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारत आधुनिक तकनीकों के प्रयोग की दृष्टि से तो आगे है लेकिन आधुनिक तकनीकों को विकसित करने में भारत अभी बहुत पीछे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों को इस दिशा में अभी बहुत काम करने की आवश्यकता है। डा. अनिल कुमार पुंडीर विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी दिवस पर बेसिक ऑफ रिहोलोजी एंड इटस एप्लीकेशन विषय पर आयोजित एक दिवसीय सैमीनार को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत देश ने मई 1998 में विश्व में सबसे पहले 5 परमाणु परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए थे।

इन परीक्षणों ने पूरे विश्व में भारत की शक्ति का प्रदर्शन किया था जिसको ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 11 मई को भारतीय तकनीकी कौशल और तकनीकी प्रगति को चिन्हित करने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को विकसित करने के क्षेत्र में शोध की भी अपार सम्भावनाएं है। विद्यार्थियों को समाज तथा राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए तकनीकी क्षेत्र में अच्छे शोध करनी चाहिए। सेमीनार को-आर्डिनेटर प्रो. एच.सी. गर्ग ने कहा कि भारतीय युवा शक्ति तकनीकी शिक्षा की तरफ बढ़ रही है। विद्यार्थियों को अपने अन्दर कौशल विकास करना चाहिए।

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि सैमीनार के दौरान जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की विभिन्न तकनीकी प्रयोगशालाओं का दौरा किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित एनटैन पार प्राइवेट लिमिटिड के वैज्ञानिक डा. अरुण कुमार सिंह ने पहले तकनीकी सत्र में रियोलॉजी विज्ञान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

रियोलॉजी विज्ञान एक कवान्टम फिजिक्स की विकसित वैज्ञानिकी तकनीक इस अवसर पर पब्लिक ऑऊटरिच एंड रिलेशंस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल, आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक डा. नीरज दिलबागी सहित इंजीनियरिंग विभागों के प्रोफैसर, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी हिसार - 12/5/17

नए सत्र से बीफार्मा, डीफार्मा के छात्रों को लेना होगा प्रशिक्षण

जीजेयू व कॉलेजों ने की इंडस्ट्री, हॉस्पिटल से एमओयू प्रक्रिया शुरू

जागरण संवाददाता हिसार : नए सत्र से बैचलर ऑफ फार्मेसी व डिप्लोमा ऑफ फार्मेसी करने वाले विद्यार्थियों को अपने कोर्स के दौरान अनिवार्य प्रशिक्षण लेना होगा। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देश के बाद जीजेयू सहित जिले के सभी फार्मेसी संस्थानों ने प्रशिक्षण संबंधी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जीजेयू में बैचलर ऑफ फार्मेसी के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इंडस्ट्रीज और हास्पिटल से एमओयू साइन करवाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फार्मेसी क्षेत्र में रोजगार आसानी से उपलब्ध हो, इसके लिए फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने रचनात्मक पहल की है।

काउंसिल ने फार्मेसी संस्थानों में अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीटीपी) शुरू करने का निर्देश दिया था। ताकि फार्मेसी छात्रों को इंडस्ट्री के अनुसार तैयार किया जा सके।

सीटीपी के तहत बी फार्मा के छात्रों को 150 घंटे का प्रशिक्षण अनिवार्य है। छात्र दूसरे वर्ष के बाद फार्मेसी प्रैक्टिस व फार्मास्युटिकल कंपनियो में प्रशिक्षण ले सकते है। वहीं डी फार्मा के छात्रों के लिए यह प्रशिक्षण 500 घंटे का निर्धारित किया गया है। इसकी अवधि तीन माह होगी।

बीफार्मा में 150 व डीफार्मा में 500 घंटे का प्रशिक्षण अनिवार्य फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने दिए थे निर्देश

नहीं थी अनिवार्य प्रशिक्षण की व्यवस्था

जीजेयू के फार्मेसी विभाग के चेयरपर्सन डा. एसके सिंह ने बताया कि पीसीआई के इस फैसले से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही इंडस्ट्री का एक्सपोजर मिलेगा। उन्हें पढ़ाई के दौरान ही प्रैक्टिकल तौर पर पता लगेगा कि किस तरह से दवा बनती है। अभी तक चार वर्षीय बैचलर कोर्स में इस तरह के अनिवार्य प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं थी। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देश के बाद यह इस सत्र से अनिवार्य होगी।

विद्यार्थियों के लिए 500 घंटे का प्रशिक्षण होगा अनिवार्य

जीजेयू के फार्मेसी विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड मुनीष आहुजा ने बताया कि नए सत्र से फार्मेसी में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद कैमिस्ट या संबंधित सेवा में जाना होता है। इसके अनुभव के लिए प्रशिक्षण विभिन्न मदों में देना अति आवश्यक है, ताकि उन्हें टीकाकरण, ड्रेसिंग रूम, आपातविभाग की गतिविधियों के बारे में पर्याप्त जानकारी हो सके। डिप्लोमा के विद्यार्थियों की दो वर्ष की पढ़ाई के बाद अनुभव के लिए 500 घंटों का प्रशिक्षण लेना होगा। बीफार्मा के विद्यार्थियों को 150 घंटों का प्रशिक्षण काफी है, क्योंकि उनका कोर्स चार वर्षों का होता है। इस दौरान वे बहुत कुछ सीख जाते हैं, लेकिन दवा कंपनियों में किस प्रकार दवाओं का निर्माण होता है और किस प्रकार परीक्षण व गुणवत्ता जांची जाती है।

> अभी तक अनिवार्य कार्यक्रम की व्यवस्था नही थी। यह नए सत्र से लागू होगा। छात्रों को इंडस्ट्री का बेहतर एक्सपोजर मिलेगा और हम बेहतर फार्मासिस्ट तैयार कर सकेंगे। फार्मास्यूटिकल कंपनियों और और हॉस्पिटल आदि से एमओयू आदि की प्रक्रिया अभी से शुरू कर दी है। ताकि विद्यार्थियों को ट्रेनिंग के लिए किसी तरह की कोई परेशानी न हो। — डॉ. एसके सिंह, चेयरमैन, फार्मेसी विभाग जीजेयू।

दैनिक जागरण - 13/5/17

जीजेयू के छात्र राहुल का कोडेक इंडिया में चयन

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थी राहुल गुप्ता का चयन कोडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑन-कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंतिम राउंड में कंपनी ने विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी का चयन किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कोडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जानी मानी शीर्ष इमेजिंग कंपनियों में से एक है। विद्यार्थी का चयन ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ है। मलिक ने प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंबरीष पांडेय और प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. पंकज तिवारी का विद्यार्थियों को तैयार करने, प्रोत्साहित करने के लिए आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि नव चयनित राहुल गुप्ता को तीन लाख वार्षिक पैकेज दिया जाएगा।

राहुल गुप्ता।

अमर उजाला - 13/5/17

सिर्फ नौकरी पाने का लक्ष्य बनी शिक्षा

'शिक्षा में युवकों की रचनात्मक भूमिका' विषय पर सेमिनार का आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद् परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. जी गोपीनाथन ने कहा कि पश्चिमी शिक्षा की चकाचौंध में हमारे युवा भारतीय दृष्टिकोण को भूल रहे हैं। वर्तमान शिक्षा का लक्ष्य केवल नौकरी पाना रह गया है। इस सोच को बदलना होगा। प्रो. जी गोपीनाथन गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'विश्वविद्यालयी शिक्षा में युवकों की रचनात्मक भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर सहित करीब 15 विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के बिना शिक्षा का कोई महत्व नहीं है। जब तक युवा शिक्षित व सृजनात्मक नहीं होगा तब तक बदलाव की कल्पना करना भी संभव नहीं है। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि शिक्षा में भारतीयता को शामिल करके ही हम शिक्षा के उद्देश्यों को सार्थक कर सकते हैं। राष्ट्र पूंजी से धनवान नहीं होता, बल्कि उस राष्ट्र के नागरिकों का ज्ञान और कौशल किसी राष्ट्र को वास्तव में धनवान बनाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सही सोच व वातावरण उपलब्ध करवाना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस बदलते परिवेश में युवाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि इस जनसांख्यिकीय लाभ का उपयोग किया जाए और युवाओं और उनकी रचनात्मक ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में संलग्न किया जाए।

पुस्तक का विमोचन करते जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार व अन्य।

गुरु जंभेश्वर वाणी के साथ सेमिनार शुरू, पुस्तक का विमोचन भी किया

कार्यक्रम की शुरुआत महान पर्यावरणविद भगवान गुरु जंभेश्वर की वाणी वाचन से हुई। गुरु जम्भेश्वर महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष डॉ. किशनाराम बिश्नोई ने गुरु जम्भेश्वर की वाणी का वाचन किया। मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद के महामंत्री बीएन पाण्डेय ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। सेमीनार के समन्वयक प्रो. अम्बरीष पाण्डेय रहे। मंच संचालन प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षक पंकज तिवारी ने किया। अकेडमिक अवेकनिंक नामक पत्रिका तथा गोपीनाथन द्वारा लिखित एक पुस्तक हिमयुगी चट्टानें का विमोचन भी किया गया। इस दौरान मानव रचना अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनसी. वधवा, जन नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. लोकेश शेखावत, केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति डॉ. बीआर चीपा, पूर्व प्रोफेसर भगवान शर्मा, प्राचार्य भगवती राजपूत, एसोसिएट प्रोफेसर पारूल सक्सेना व डॉ. कपिल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, उपस्थित थे।

नशे को दूर कर नैतिकता लानी है तो अनिवार्य करना होगा योग

जागरण संवाददाता, हिसार : देशभर में विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में बढ़ रहे नशे को रोकना है, तो इसके लिए सरकार, जनता और प्रशासन को कई तरह के कदम उठाने होंगे। विद्यार्थियों के लिए कुछ चीजें अनिवार्य करनी होगी। विद्यार्थियों के लिए योगा को जरूरी कर दिया जाना चाहिए, इससे विद्यार्थियों को नशे की गिरफ्त में जाने से रोका जा सकता है। यह बात महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद अध्यक्ष प्रो. जी. गोपीनाथन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि नशे को रोकने के लिए विद्यार्थियें की सृजनात्मक भूमिका हो सकती है। नशा करने वालों के मित्र उन्हें अच्छे काम के लिए प्रेरित करें। वे उन्हें नशे से दूर रखने के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं जीजेयू के कुलपति टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश में शैक्षणिक ढांचे में सुधार के लिए विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना होना जरूरी है।

छात्र संघ का चुनाव लड़ने के लिए शिक्षा की शर्तें हों जरूरी : मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद के महामंत्री बीएन. पांडेय ने कहा कि छात्र संघ के चुनावों में राजनीतिक पार्टियों को अलग रहना चाहिए। वहीं हर किसी को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। बिहार में छात्र संघ चुनाव को लेकर उनकी अध्यक्षता में बनी एक कमेटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रतिशत तक अंक हासिल करने वाला ही चुनाव लड़ सकता है। इससे बेहतर लीडर आएंगे और संस्थानों का माहौल सुधरेगा। वहीं प्रो. जी. गोपीनाथन ने छात्र संघ चुनाव का समर्थन करते हुए कहा कि चुनाव गणतंत्र की विशेषता है।

सुझाव

- छात्र संघ के चुनावों का किया समर्थन
- कॉलेजों व स्कूलों में शिक्षा का स्वरूप बदलने की पैरवी की

बदलना चाहिए कॉलेजों की शिक्षा का स्वरूप-

विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के गिरते स्तर को लेकर प्रो. जी. गोपीनाथन ने कहा कि इसके कई कारण हैं। स्कूलों और प्राइवेट कॉलेजों का स्वरूप बदलना चाहिए। शिक्षा की गुणवता पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। अधिक से अधिक शोध हों और प्रायोगिक पढ़ाई को बढ़ावा दिया जाए। नैतिकता को लेकर भी विद्यार्थियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन जरूरी है। सरकार व जनता, दोनों को ही इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

दैनिक जागरण - 15/5/17

शिक्षा का लक्ष्य केवल नौकरी की सोच बदलनी होगी : प्रो. गोपीनाथन

हिसार, 14 मई (हप्र)

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति एवं अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. जी. गोपीनाथन ने कहा है कि पश्चिमी शिक्षा की चकाचौंध में हमारे युवा भारतीय दृष्टिकोण को भूल रहे हैं। वर्तमान शिक्षा का लक्ष्य केवल नौकरी पाना रह गया है। इस सोच को बदलना होगा।

प्रो. जी. गोपीनाथन गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में 'विश्वविद्यालीय शिक्षा में युवकों की रचनात्मक भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा में भारतीयता को शामिल करके ही हम शिक्षा के उद्देश्यों को सार्थक कर सकते हैं। इस अवसर पर एकडमिक अवेकनिंग नामक पत्रिका तथा गोपीनाथन द्वारा लिखित एक पुस्तक हिमयुगी चट्टानें का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलपति डा. बीआर चीपा, पूर्व प्रोफेसर भगवान शर्मा, प्राचार्य भगवती राजपूत, एसोसिएट प्रोफेसर पारुल सक्सेना व डा. कपिल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ शिक्षक उपस्थित थे।

गुरू जम्भेश्वर विवि. में राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्रिका का विमोचन करते अखिल भारतीय कुलपति एवं शिक्षाविद परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. जी. गोपीनाथन, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य। -हप्र

दैनिक ट्रिब्यून - 15/5/17

निर्णय | विश्वविद्यालय प्रशासन ने हरियाणा से बाहर के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का लिया फैसला

गुजवि में कश्मीरी छात्रों को सुपरन्यूमेरिक सीट का प्रावधान

जागरण संवाददाता हिसार : नार्थ ईस्ट और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने इस बार सुरन्यूमेरिक सीटों का प्रावधान किया गया है।

विश्वविद्यालय की ओर से दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक-एक सीटों का प्रावधान किया गया है। इसके पीछे विश्वविद्यालय प्रशासन का मकसद विश्वविद्यालय में हरियाणा से बाहर के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है। विश्वविद्यालय हरियाणा के अलावा देशभर के राज्यों से करीब 10 प्रतिशत विद्यार्थियों को आकर्षित करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर प्रो. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बीटेक, एमटेक व एमबीए को छोड़कर अंडर ग्रजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के सभी कोर्सों में नार्थ- ईस्ट व जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए एक-एक सीट का प्रावधान किया गया है। हालांकि विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा के बाद ही किया जाएगा। उस सीट के लिए संबंधित क्षेत्र के जितने विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा देंगे, उनमें से टॉप करने वाले विद्यार्थी को उस सुपरन्यूमेरिक सीट पर दाखिला दिया जाएगा। नए सत्र से ये विद्यार्थी इन सीटों पर दाखिला ले सकेंगे।

बढ़ेगा शैक्षणिक स्तर

जम्मू एंड कश्मीर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए सुपरन्यूमेरिक सीट का प्रावधान किया गया है। वहीं नार्थ ईस्ट के विद्यार्थियों के सुपरन्यूमेरिक सीट का प्रावधान वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल की प्रार्थना के बाद किया है।

कम संख्या के कारण कोर्स बीच में ही छोड़ देते थे विद्यार्थी

विश्वविद्यालय में हर बार नए सत्र से नार्थ-ईस्ट व जम्मू कश्मीर के विद्यार्थी दाखिला लेते हैं लेकिन ये एक या दो विद्यार्थी ही होते हैं। कम संख्या होने के कारण ये विद्यार्थी बीच में ही कोर्स को छोड़कर चले जाते हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार इन विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए सुपरन्यूमेरिक सीटों का प्रावधान किया है।

हमने नॉर्थ ईस्ट और जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए एक-एक सुपरन्यूमेरिक सीट का प्रावधान इस बार किया है। ताकि विश्वविद्यालय में हरियाणा से बाहर के विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हो सके। उम्मीद है कि हमें इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे और बड़ी संख्या में विद्यार्थी दाखिला लेने के लिए आकर्षित होंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी प्रावधान

गुजवि में पिछले वर्ष सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए सुपरन्यूमेरिक सीट का प्रावधान किया गया था। जिसके अंतर्गत जिस परिवार में एक ही बच्चा है और वह लड़की है तो वह विश्वविद्यालय में सुपरन्यूमेरिक सीट पर दाखिला ले सकती है। इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम को बढ़ावा देना था।

दैनिक जागरण- 15/5/17

कार्रवाई | परीक्षा देने वाले 25,000 विद्यार्थी को दीं शुभकामनाएं

प्रो. टंकेश्वर ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

सोनीपत, 15 मई (सुनील) : दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति प्रो. कुमार ने आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। विश्वविद्यालय ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 18 परीक्षा केंद्र बनाए हैं, जिनमें करीब 25 हजार विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं भी दी। डीसीआरयूएसटी, मुरथल में समेस्टर की स्नातक व स्नातकोत्तर की परीक्षाएं चल रही हैं। कुलपति प्रो. कुमार ने अचानक परीक्षा केंद्र पर पहुंच कर परीक्षा केंद्र का बारिकी से निरीक्षण किया। कुलपति ने इस दौरान परीक्षार्थियों से बातचीत करते हुए प्रश्न किया कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखा जाता है। कुलपति प्रो.टंकेश्वर ने कहा कि स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर की सभी परीक्षाएं विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों पर चल रहीं हैं। लगभग 25 हजार विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। मुख्य परीक्षाएं 2 जून को समाप्त हो जाएंगी। परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय ने कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। जिनमें से 5 परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय में ही हैं। स्नातकोत्तर स्तर की सभी परीक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नकल रहित परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय ने फ्लाइंग स्कवायड का गठन कर दिया है। प्रतिदिन परीक्षा केंद्र पर फ्लाइंग स्कवायड पहुंचेगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा अधीक्षक और उपाधीक्षक विश्वविद्यालय से ही नियुक्त किया गया है।

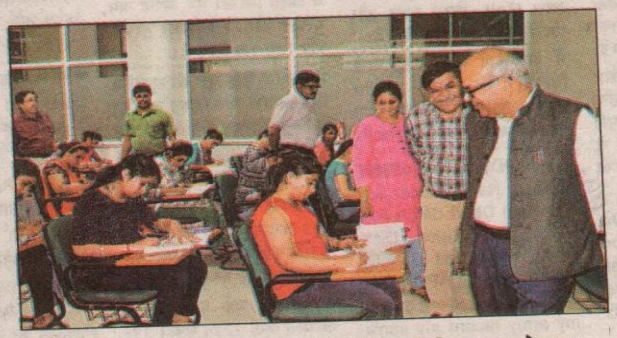

कुलपति प्रो. टंकेश्वर परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण करते हुए।

वरिष्ठ नागरिकों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देगा जीजेयू

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण देगा तथा डिजिटल लेनदेन के बारे में जागरूक करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के साथ-साथ विश्वविद्यालय की समाज के प्रति भी जिम्मेदारी बनती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के सौजन्य से जून माह में वरिष्ठ नागरिकों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि एक माह के इस कंप्यूटर प्रशिक्षण के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल लेनदेन के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण आज के तकनीकी युग को देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि कंप्यूटर प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को बेसिक कंप्यूटर्स, इंटरनेट तथा डिजिटल लेनदेन से संबंधित जानकारियां दी जाएंगी। इच्छुक वरिष्ठ नागरिक विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर में 26 मई 2 017 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दूरभाष नंबर 01662-263649 और 263579 पर संपर्क कर पंजीकरण करवा सकते हैं। इस निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के प्रमुख मुकेश अरोड़ा की देख-रेख में किया जाएगा।

गुजवि में प्लेसमेंट का आयोजन स्वाति बंसल का हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा स्वाति बंसल का चयन डीएआरसीएल लोजिस्टिक लिमिटेड (सॉफ्टवेयर डिवीजन) में

- 21 विद्यार्थियों की हुई लिखित परीक्षा

हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के तत्वाधान में एमसीए, बीटैक कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग तथा बीटैक आईटी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने विभाग के 21 विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा एवं तकनीकी साक्षात्कार लिया। जिसके आधार पर छात्रा स्वाति बंसल का चयन किया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने स्वाति बसंल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि डीएआरसीएल लोजिस्टिक लिमिटेड कंपनी देश की जानी-मानी बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी की देशभर में 200 से अधिक शाखाएं हैं, जिनमें 3000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। नवचयनित छात्रा स्वाति बंसल इसी वर्ष कोर्स पूरा होने के बाद कंपनी के हिसार कार्यालय में ज्वाईन करेंगी।

हरिभूमि - 19/5/17

जीजेयू पीएचडी गेस्ट टीचर को देगा 35 तो बिना पीएचडी को 30 हजार

पेपर चेकिंग फीस भी बढ़ाई, अब प्रति पेपर 15 से बढ़ाकर किया 25 रुपये

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू में वीरवार को कार्यकारी परिषद की 77वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में की गई। कमेटी रूम में आयोजित बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जाट आरक्षण के दौरान मारे गए मिंटू राम की पत्नी पूनम देवी को हरियाणा सरकार की अनुशंसा पर सेवादार के पद पर नियुक्त किया। बैठक में परीक्षकों को मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन पर दी जाने वाली राशि 15 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा गेस्ट टीचर के वेतन में भी बढ़ोतरी पर मुहर लगी है। अब पीएचडी गेस्ट टीचर को जीजेयू 35 हजार रुपये प्रति महीना तथा बिना पीएचडी वाले को 30 हजार रुपये प्रति महीना वेतन देगा।

जीजेयू में आयोजित ईसी की मीटिंग में मौजूद कुलपति व अन्य।

कार्यकारी परिषद की बैठक में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर अंजन कुमार बराल, डॉ. अंबरीश पांडे को प्रोफेसर पद के लिए पदोन्नत किया गया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र कुमार की नियुक्ति को कन्फर्म किया गया।

वहीं हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. हिमानी शर्मा, डॉ. मनी श्रेष्ठा, डॉ. वनिता, डॉ. संगीता, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रो. कृष्ण कुमार, सुनीता, दीपक नांदल, सुनील कुमार, अभिषेक काजल, मनोज और फिजिक्स विभाग के सहायक प्रो. डॉ. आरएस कुंडू की नियुक्ति को कन्फर्म किया गया है। बैठक में वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार के मनोनीत तकनीकी विभाग, हरियाणा के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, प्रो. एसएन मिश्रा, डॉ. प्रदीप शर्मा स्नेही, प्रो. केसी तोमर, प्रो. केसी अरोड़ा, प्रो. बंदना कुमारी, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. डीसी भट्ट, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 19/5/17

गुजवि के प्रोफैसर हुए पदोन्नत

हिसार, 18 मई (का.प्र.): गुजवि में कार्यकारी परिषद की 77वीं बैठक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। कुलपति कार्यालय के कमेटी रूम में आयोजित बैठक का संचालन विवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

बैठक में प्रिंटिंग टैक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफैसर अंजन कुमार बराल तथा डा. अम्बरीश पांडे को प्रोफैसर पद पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में प्रिंटिंग टैक्नोलॉजी विभाग में विकास जांगड़ा व मोहित कुमार को सहायक प्रोफैसर के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त फिजीक्स विभाग में डा. रवि भाटिया, डा. विवेक गुप्ता तथा रणजीत को सहायक प्रोफैसर के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में परीक्षकों को मूल्यांकन व पुनर्मूल्यांकन पर दी जाने वाली राशि में भी बढ़ौतरी की गई है। प्रो. कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफैसर डा. धर्मेन्द्र कुमार की नियुक्ति को कन्फर्म किया गया है।

बैठक की अध्यक्षता करते प्रो. टंकेश्वर कुमार व मौजूद अन्य सदस्य।

वहीं हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनैस विभाग की सहायक प्रोफैसर डा. हिमानी शर्मा, डा. मनी श्रेष्ठा, डा. वनिता तथा डा. संगीता, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफैसर कृष्ण कुमार, सुनीता, दीपक नांदल, सुनील कुमार, अभिषेक काजल, मनोज तथा फिजीक्स विभाग के सहायक प्रोफैसर डा. आर.एस. कुंडू की नियुक्ति को कन्फर्म किया गया है।

बैठक में वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार के मनोनीत तकनीकी विभाग, हरियाणा के संयुक्त निदेशक डा. राजेश अग्रवाल, प्रो. एस.एन. मिश्रा, डा. प्रदीप शर्मा स्नेही, प्रो. के.सी. तोमर, प्रो. के.सी अरोड़ा, प्रो. बंदना कुमारी, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. डी.सी भट्ट, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम, डा. धर्मेन्द्र कुमार, डा. सुनील कुमार उपस्थित थे।

गुजवि ने घोषित किया परीक्षा परिणाम

हिसार, 18 मई (का.प्र.): गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने विभिन्न विषयों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2016 में आयोजित एम.सी.ए. प्रथम समैस्टर (री-अपीयर) बैच 2015, एम.सी.ए. प्रथम समैस्टर (मेन) बैच 2016, एम.टैक (सीई) तृतीय समैस्टर (री-अपीयर) बैच 2014, एम.टैक (कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रथम समैस्टर (मेन) बैच 2016, बी.टैक (ई.ई.) 7वां समैस्टर (मेन) बैच 2013, बी.टैक (ई.ई.) 7वां समैस्टर (री-अपीयर) बैच 2011 व 2012, बी.टैक (प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी) 5वां समैस्टर (मेन) बैच 2014 व कई अन्य परिणाम घोषित किए गए है।

पंजाब केसरी हिसार- 19/5/17

एक सीपीयू से चलेगी पूरी लैब, जीजेयू के छात्र ने बनाया थिन क्लाइंट नामक कंप्यूटर टर्मिनल

सर्वर भी बनाया, कंप्यूटर लैब बनाने में एक तिहाई की होगी बचत, इस्तेमाल में होगा आसान

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी ने ऐसा कंप्यूटर टर्मिनल तैयार किया है, जिसके इस्तेमाल से लैब में सीपीयू की जरूरतें लगभग खत्म हो जाएंगी। लैब के लिए केवल एक ही सीपीयू काफी होगा। वहीं अगर इस तकनीक में क्लाउड कंप्यूटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया तो एक भी कंप्यूटर की जरुरत नहीं पड़ेगी। इस टर्मिनल के इस्तेमाल से एक कंप्यूटर लैब बनाने में आने वाला खर्च एक तिहाई कम हो जाएगा। यह टर्मिनल बड़ी कंपनियों में नेटवर्क मॉनिटरिंग टूल के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

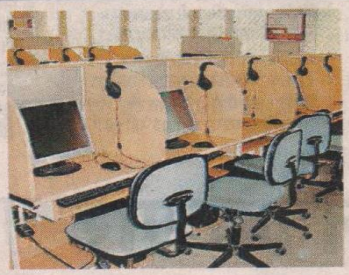

सभी कंप्यूटर एक साथ हो जाएंगे अपडेट

विकास ने बताया कि उनके द्वारा बनाई गई इस तकनीक के हिसाब से अगर कोई लैब स्थापित की जाए तो इस पर सामान्य लैब से एक तिहाई कम खर्च आएगा। यही नहीं लैब में अधिक सीपीयू का इस्तेमाल नहीं करने के कारण बिजली की भी कम खपत होगी। खास बात यह है कि अगर सर्वर पर विंडो या साफ्टवेयर की किसी भी प्रकार की कोई अपेडट आती है तो सभी सभी कंप्यूटर भी अपने आप ही अपडेट हो जाएंगे।

डाउनलोडिंग की गति होगी अधिक तेज

इस तकनीक से बनी बनाई गई लैब में डाउनलोडिंग की गति भी सामान्य लैब की तुलना में अधिक तेज होगी। इसके लिए एक एफटीपी सर्वर बनाना होगा। इसके बाद इंटरनेट से जुड़े बिना भी डाउनलोडिंग की जा सकेगी। विकास कुमार ने बताया कि इस लैब में डेटा ट्रांसफर के लिए पैन ड्राइव तथा सीडी की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रोनिक एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के फाइनल ईयर के विद्यार्थी विकास कुमार ने यह थिन क्लाइंट नामक डिवाइस बनाया है। विभाग के चेयरमैन संजीव कुमार ढुल ने बताया कि यह विद्यार्थी लगातार इसके लिए प्रयास कर रहा था। लंबे समय बाद उसे उपलब्धि मिली है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार व रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर ने इस खोज के लिए विकास व उनके प्रोजेक्ट गाइड अजय कुमार को बधाई दी। इस विद्यार्थी को दूनिया की नामी नेटवर्क सिक्योरिटी कंपनी सिस्को ने भी सर्टिफाइड किया हुआ है। विकास ने इसके लिए सिस्को की सीसीएन की परीक्षा दी थी।

ऐसे काम करेगा यह टर्मिनल: विकास ने थिन क्लाइंट नामक कंप्यूटर टर्मिनल बनाने के साथ ही एक सर्वर भी बनाया है। इस सर्वर के ऊपर एक वर्चुअल मशीन भी बनाई गई है, जो रिमोट डेस्कटोप प्रोटोकोल के जरिए थिन क्लाइंट पर चलाई जाएगी। इसी सर्वर के सहयोग से थिन क्लाइंट से एक से अधिक कंप्यूटर जुड़े होंगे, जो एक-दूसरे कंप्यूटर में डेटा का आदान प्रदान करते रहेंगे। इस थिन क्लाइंट से डेस्कटोप, माऊस, की बोर्ड आदि कनेक्ट किए जाएंगे।

दैनिक जागरण- 24/5/17

गुजवि के छह विद्यार्थियों का गैलेक्सी ऑफसेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में चयन

पांच बजे न्यूज

हिसार। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से आयोजित ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग तकनीकी विभाग के छह विद्यार्थियों का चयन गैलेक्सी ऑफसेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मानेसर, गुड़गांव में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि प्लेसमैंट कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बीटैक प्रिंटिंग तकनीक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। गैलेक्सी ऑफसेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मानेसर, गुड़गांव के अधिकारियों एचआर प्रबंधक बिजेन्द्र पाल, प्लांट प्रमुख महावीर ढिलों तथा प्रिंटिंग इंजीनियर विनोद ने कंपनी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बताया कि महावीर ढिलों तथा विनोद इसी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। कंपनी के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय में आयोजित पहले चरण तथा कंपनी परिसर में आयोजित अंतिम चरण के प्लेसमैंट कार्यक्रम के आधार पर विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का चयन किया है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया गैलेक्सी ऑफसेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव प्रिंटिंग के क्षेत्र में एक अत्याधुनिक कंपनी है। कंपनी में चयनित विद्यार्थियों में मोनू गिल, नवीन जांगड़ा, ओजस्वी मलिक, ललित, माधव गिरधर तथा कृष्ण कुमार शामिल हैं। चयनित विद्यार्थी इसी वर्ष कोर्स पूरा होने के बाद कंपनी में ज्वाईन करेंगे।

पांच बजे - 24/8/17

जीजेयू के 17 छात्र कैंपस प्लेसमेंट में ऑनलाइन परीक्षा के लिए चयनित

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की ओर से विवि व अन्य संबंधित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए ऑन-कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इसमें 98 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कंपनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों का ऑनलाइन एप्टीटयूड टेस्ट, समूह वार्तालाप एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार राउंड आयोजित किए। इसी आधार पर कंपनी के दिल्ली स्थित कार्यालय में 3 जून 2017 को होने वाली मेरीट्रेक ऑनलाइन परीक्षा के लिए जीजेयू के 12, पीपीआईएमटी के 4 तथा ओआईटीएम के एक विद्यार्थी को सूची में जगह दी गई है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि प्लेसमेंट कार्यक्रम में नई दिल्ली के एक्सपेरिस आईटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सहायक प्रबंधक-टेलेंट एक्वीजिशन निधि शर्मा व विशेषज्ञ-टेलेंट एक्वीजिशन रोमान कंपनी की ओर से प्लेसमेंट कार्यक्रम में उपस्थित हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

दैनिक जागरण - 24/8/17